चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	25.03.2021	02	03

प्रशिक्षण कार्यक्रम में किसानों ने ली फसलों की जानकारी

जासं, हिसारः चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित रामधन सिंह बीज फार्म द्वारा मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीक विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में रामधन सिंह सीड फार्म के निदेशक डा. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को रबी, खरीफ व ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली सभी मुख्य फसलों के बीज उत्पादन से जुड़े 37 व्याख्यान दिए गए। इन सभी व्याख्यानों का संग्रह करके एक कम्पैंडियम तैयार किया गया। जिसे किसानों को ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बीआर कम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**24.03.2021**	--	--

सार समाचार

हकृवि में फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर प्रशिक्षण का समापन

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में रामधन सिंह सीड फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को रबी, खरीफ व ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली सभी मुख्य फसलों के बीज उत्पादन् से जुड़े 37 व्याख्यान दिए गए। इन सभी व्याख्यानों का संग्रह करके एक कम्पैंडियम तैयार किया गया जिसे किसानों को ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपने खेत में व्यापार को जोड़ना ही होगा। एग्रीकल्चर में एग्रीबिजनेस करके ही किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। साथ ही किसान बीज व्यवसाय को अपनाकर भी अधिक लाभ कमा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में 25 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रशिक्षण के समन्व्यक डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. अरविन्द सिंह मलिक, डॉ. पुनीत कुमार व डॉ. राजेश कथवाल उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**24.03.2021**	--	--

फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर प्रशिक्षण का समापन

पल पल न्यूजः हिसार, 24 मार्च। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में रामधन सिंह सीड फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को रबी, खरीफ व ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली सभी मुख्य फसलों के बीज उत्पादन से जुड़े 37 व्याख्यान दिए गए। इन सभी व्याख्यानों का संग्रह करके एक कम्पैंडियम तैयार किया गया जिसे किसानों को ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपने खेत में व्यापार को जोड़ना ही होगा। एग्रीकल्चर में एग्रीबिजनेस करके ही किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। साथ ही किसान बीज व्यवसाय को अपनाकर भी अधिक लाभ कमा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में 25 किसानों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**24.03.2021**	--	--

मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर प्रशिक्षण का समापन

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में रामधन सिंह सीड फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को रबी, खरीफ व ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली सभी मुख्य फसलों के बीज उत्पादन से जुड़े 37 व्याख्यान दिए गए। इस अवसर पर कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपने खेत में व्यापार को जोड़ना ही होगा। एग्रीकल्चर में एग्रीबिजनेस करके ही किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। साथ ही किसान बीज व्यवसाय को अपनाकर भी अधिक लाभ कमा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में 25 किसानों ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**24.03.2021**	--	--

गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर प्रशिक्षण संपन्न

हिसार/24 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय स्थित रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर फार्म निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण में किसानों को रबी, खरीफ व ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली सभी मुख्य फसलों के बीज उत्पादन से जुड़े 37 व्याख्यान दिए गए। इन सभी व्याख्यानों का संग्रह करके एक कम्पोडियम तैयार किया गया जिसे किसानों को ऑनलाईन उपलब्ध करवाया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपने खेत में व्यापार को जोड़ना ही होगा। एग्रीकल्चर में एग्रीबिजनेस करके ही किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। साथ ही किसान बीज व्यवसाय को अपनाकर भी अधिक लाभ कमा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में 25 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. अरविन्द सिंह मलिक, डॉ. पुनीत कुमार व डॉ. राजेश कथवाल उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	24.03.2021	--	--

गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर प्रशिक्षण का समापन

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में रामधन सिंह सीड फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को रबी, खरीफ व ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली सभी मुख्य फसलों के बीज उत्पादन् से जुड़े 37 व्याख्यान दिए गए। इन सभी व्याख्यानों का संग्रह करके एक कम्पैंडियम तैयार किया गया जिसे किसानों को ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपने खेत में व्यापार को जोडऩा ही होगा। एग्रीकल्चर में एग्रीबिजनेस करके ही किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। इस प्रशिक्षण में 25 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. अरविन्द सिंह मलिक, डॉ. पुनीत कुमार व डॉ. राजेश कथवाल उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**24.03.2021**	--	--

मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर प्रशिक्षण का समापन

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 24 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार स्थित रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में रामधन सिंह सीड फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को रबी, खरीफ व ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली सभी मुख्य फसलों के बीज उत्पादन् से जुड़े 37 व्याख्यान दिए गए। इन सभी व्याख्यानों का संग्रह करके एक कम्पैंडियम तैयार किया गया जिसे किसानों को ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बी.आर. कम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने किसानों को प्रशिक्षण के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपने खेत में व्यापार को जोड़ना ही होगा। एग्रीकल्चर में एग्रीबिजनेस करके ही किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। साथ ही किसान बीज व्यवसाय को अपनाकर भी अधिक लाभ कमा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में 25 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रशिक्षण के समन्व्यक डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. अरविन्द सिंह मलिक, डॉ. पुनीत कुमार व डॉ. राजेश कथवाल उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**24.03.2021**	**Online**	**--**

मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर प्रशिक्षण का समापन

SHARE 0

हिसार,

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के रामधन सिंह बीज फार्म की ओर से मुख्य खेत फसलों के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन की तकनीकें विषय पर सात दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के बारे में रामधन सिंह सीड फार्म के निदेशक डॉ. रामनिवास ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को रबी, खरीफ व ग्रीष्म ऋतु में बोई जाने वाली सभी मुख्य फसलों के बीज उत्पादन से जुड़े 37 व्याख्यान दिए गए। इन सभी व्याख्यानों का संग्रह करके एक कम्पेंडियम तैयार किया गया जिसे किसानों को ऑनलाइन उपलब्ध करवाया जाएगा। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव एवं विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बीआर कंबोज ने किसानों को प्रशिक्षण के लिए बधाई देते हुए कहा कि उन्हें अपने खेत में व्यापार को जोडना ही होगा। एग्रीकल्चर में एग्रीबिजनेस करके ही किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर सकते हैं। साथ ही किसान बीज व्यवसाय को अपनाकर भी अधिक लाभ कमा सकते हैं। इस प्रशिक्षण में 25 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी किसानों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर प्रशिक्षण के समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार, डॉ. अरविन्द सिंह मलिक, डॉ. पुनीत कुमार व डॉ. राजेश कथवाल उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	25.03.2021	01	04-05

हकृवि में कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प 30 मार्च को

चौधरी चरण सिहं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैम्पस अस्पताल में सिविल अस्पताल हिसार द्वारा कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन 30 मार्च को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस दिन 60 वर्ष से ऊपर के शेष बचे सभी लोगों को तथा 45 से 60 वर्ष के बीच के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूं	**25.03.2021**	--	--

एचएयू में कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प 30 को

हिसार (सच कहूं न्यूज)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में सिविल अस्पताल की ओर से कोविड-19 वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन 30 मार्च को किया जाएगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस दिन 60 वर्ष से ऊपर के शेष बचे सभी लोगों को तथा 45 से 60 वर्ष के बीच के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले 22 मार्च को दूसरा मेगा कैंप आयोजित किया गया, जिसमें 130 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। डॉ. अशोक चौधरी ने बताया कि कोरोना का टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है तथा इस से किसी प्रकार का कोई साइड इफैक्ट नही होता। कैंप को सफल बनाने में कैम्पस हॉस्पिटल की एसएमओ डॉ. प्रीति मलिक, सामान्य अस्पताल हिसार की सीएमओ डॉ. रतना भारती, डिप्टी सीएमओ डॉ. तरुण शर्मा, एनएसएस प्रभारी डॉ. चंद्रशेखर डागर, डॉ. पुष्पेंद्र सहित एनएसएस स्वयंसेवकों का विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	**24.03.2021**	--	--

एचएयू में कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प 30 को

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कैम्पस अस्पताल में सिविल अस्पताल हिसार द्वारा कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन 30 मार्च को किया जाएगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस दिन 60 वर्ष से ऊपर के शेष बचे सभी लोगों को तथा 45 से 60 वर्ष के बीच के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले 22 मार्च को दूसरा मेगा कैंप आयोजित किया गया, जिसमें 130 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**24.03.2021**	--	--

हकृवि में कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प 30 को

हिसार/24 मार्च/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिहं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैम्पस अस्पताल में सिविल अस्पताल द्वारा कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन 30 मार्च को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस दिन 60 वर्ष से ऊपर के शेष बचे सभी लोगों को तथा 45 से 60 वर्ष के बीच के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। डॉ. अशोक चौधरी ने बताया कि कोरोना का टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है तथा इससे किसी प्रकार का कोई साइड इफैक्ट नहीं होता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	**24.03.2021**	--	--

एचएयू में वैक्सीनेशन कैम्प 30 को

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 24 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कैम्पस अस्पताल में सिविल अस्पताल हिसार द्वारा कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन 30 मार्च को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस दिन 60 वर्ष से ऊपर के शेष बचे सभी लोगों को तथा 45 से 60 वर्ष के बीच के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले 22 मार्च को दूसरा मेगा कैंप आयोजित किया गया, जिसमें 130 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। डॉ. अशोक चौधरी ने बताया कि कोरोना का टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है तथा इस से किसी प्रकार का कोई साइड इफैक्ट नहीं होता। कैंप को सफल बनाने में कैम्पस हॉस्पिटल की एसएमओ डॉ. प्रीति मलिक, सामान्य अस्पताल हिसार की सीएमओ डॉ. रतना भारती, डिप्टी सीएमओ डॉ. तरुण शर्मा, एनएसएस प्रभारी डॉ. चंद्रशेखर डागर, डॉ. पुष्पेंद्र सहित एनएसएस स्वयंसेवकों का विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	**24.03.2021**	--	--

एचएयू में कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प 30 मार्च को

हिसार, 24 मार्च (देवानंद) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कैम्पस अस्पताल में सिविल अस्पताल हिसार द्वारा कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन 30 मार्च को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस दिन 60 वर्ष से ऊपर के शेष बचे सभी लोगों को तथा 45 से 60 वर्ष के बीच के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले 22 मार्च को दूसरा मेगा कैंप आयोजित किया गया, जिसमें 130 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। डॉ. अशोक चौधरी ने बताया कि कोरोना का टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है तथा इस से किसी प्रकार का कोई साइड इफैक्ट नहीं होता। कैंप को सफल बनाने में कैम्पस हॉस्पिटल की एसएमओ डॉ. प्रीति मलिक, सामान्य अस्पताल हिसार की सीएमओ डॉ. रतना भारती, डिप्टी सीएमओ डॉ. तरुण शर्मा, एनएसएस प्रभारी डॉ. चंद्रशेखर डागर, डॉ. पुष्पेंद्र सहित एनएसएस स्वयंसेवकों का विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**24.03.2021**	--	--

एचएयू में कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प 30 मार्च को

पल पल न्यूजः हिसार, 24 मार्च। चौधरी चरण सिहं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के कैम्पस अस्पताल में सिविल अस्पताल हिसार द्वारा कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प का आयोजन 30 मार्च को किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस दिन 60 वर्ष से ऊपर के शेष बचे सभी लोगों को तथा 45 से 60 वर्ष के बीच के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले 22 मार्च को दूसरा मेगा कैंप आयोजित किया गया, जिसमें 130 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। डॉ. अशोक चौधरी ने बताया कि कोरोना का टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है तथा इस से किसी प्रकार का कोई साइड इफैक्ट नहीं होता।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जीवन आधार	**24.03.2021**	**Online**	**--**

एचएयू में कोविड-19 वैक्सीनेशन कैम्प 30 को : देवेन्द्र सिंह दहिया

SHARE 0

हिसार,
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कैंपस अस्पताल में सिविल अस्पताल की ओर से कोविड-19 वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन 30 मार्च को किया जाएगा। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इस दिन 60 वर्ष से ऊपर के शेष बचे सभी लोगों को तथा 45 से 60 वर्ष के बीच के उन लोगों को टीका लगाया जाएगा जो किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हैं। उन्होंने बताया कि इससे पहले 22 मार्च को दूसरा मेगा कैंप आयोजित किया गया, जिसमें 130 लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया। डॉ. अशोक चौधरी ने बताया कि कोरोना का टीकाकरण पूरी तरह सुरक्षित है तथा इस से किसी प्रकार का कोई साइड इफैक्ट नहीं होता। कैंप को सफल बनाने में कैम्पस हॉस्पिटल की एसएमओ डॉ. प्रीति मलिक, सामान्य अस्पताल हिसार की सीएमओ डॉ. रतना भारती, डिप्टी सीएमओ डॉ. तरुण शर्मा, एनएसएस प्रभारी डॉ. चंद्रशेखर डागर, डॉ. पुष्पेंद्र सहित एनएसएस स्वयंसेवकों का विशेष सहयोग रहा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.03.2021	04	01-05

टिप्स • एचएयू वैज्ञानिकों की सलाह- मुनाफे के लिए उन्नत किस्मों का चयन करना बेहद जरूरी

घीया संकर 35 किस्म से प्रति एकड़ 120 क्विंटल तक पैदावार संभव, गर्मियों में बुआई करना सही

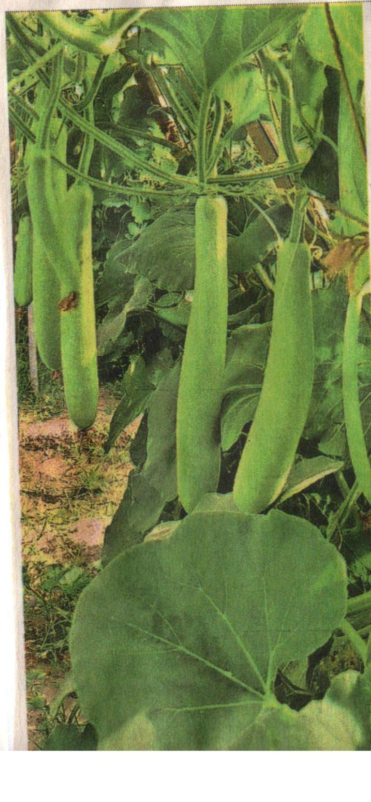

मार्च, अप्रैल और बारिश मौसम बुआई के सबसे अनुकूल

महबूब अली | हिसार

घीया की वैज्ञानिक विधि से खेती कर 80-100 क्विंटल प्रति एकड़ तक की पैदावार प्राप्त की जा सकती है। एचएयू के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को उन्नत किस्मों की वैज्ञानिक विधि से बुआई कर मुनाफा कमाने की सलाह दे रहे हैं। उन्नत किस्म से 100-120 क्विंटल प्रति एकड़ तक पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

घीया एक कद्दूवर्गीय महत्वपूर्ण सब्जी है। इसको लौकी के नाम से भी जाना जाता है। इसके मुलायम फलों में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, खाद्य रेशा, खनिज लवण के अलावा प्रचुर मात्रा में अनेक विटामिन भी पाए जाते हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह अनुसार लौकी की प्रकृति ठंडी होती है। इसके फल सुपाच्य होने के कारण चिकित्सक रोगियों को लौकी की सब्जी अधिक से अधिक खाने की सलाह देते हैं। लौकी के हरे फलों से सब्जी, रायता, खीर, कोफ्ते, अचार एवं मिठाइयां बनाई जाती हैं। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय द्वारा सिफारिश किस्मों व रसायानों का प्रयोग कर अधिक लाभ हासिल कर सकते हैं। विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय के सब्जी विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. भाटिया ने बताया कि घीया की कई उन्नत एवं अधिक पैदावार देने वाली किस्में हैं जिनका किसान चुनाव कर सकते हैं। घीया की औसत पैदावार 40-60 क्विंटल/एकड़ होती है। वैज्ञानिकों अनुसार किसान सिफारिश की गई कीटनाशक ही डालें, क्योंकि घीया कुछ अन्य कीटनाशकों से जल सकती है। ओस के समय धूड़ा न करें। खराब व सड़े फल एकत्रित करके मिट्टी में गहरा दबा दें और कीटनाशक के छिड़काव से पहले फल तोड़ लें।

जानिए... ये हैं लौकी की उन्नत किस्में

- **पूसा समर प्रोलीफिक लौंग** : यह किस्म गर्मी व बरसात दोनों मौसम में उगाने के लिए उपयुक्त है। इस किस्म में फल काफी संख्या में लगते हैं और बेलों की बढ़वार भी काफी होती है। कच्चे फलों की लंबाई 40-50 सेमी. व फलों का रंग हल्का हरा होता है। औसत पैदावार 56-60 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- **पूसा समर प्रोलीफिक राऊण्ड**: यह किस्म भी गर्मी व बरसात दोनों मौसम के लिए उपयुक्त है। इसके कच्चे फल 15-18 सेमी. घेरे के गोल व हरे रंग के होते हैं।
- **घीया हिसार 22** : यह किस्म भी ग्रीष्म व बरसात ऋतु में उगाने के लिए उपयुक्त है। इसके कच्चे व खाने योग्य हल्के हरे फलों की औसत लम्बाई लगभग 30 सैं.मी. होती है। इसकी औसत पैदावार 80-100 क्विंटल प्रति एकड़ है।
- **हिसार घीया संकर 35** : इस किस्म के फल बेलनाकार होते हैं। इसे ग्रीष्म व वर्षा ऋतुओं में उगाया जा सकता है। कच्चे व खाने योग्य फलों की औसत लंबाई लगभग 25-30 सें.मी. होती है। औसत पैदावार 100-120 क्विंटल प्रति एकड़ है।

ऐसे करें भूमि की तैयारी... सब्जी विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक डॉ. धर्मवीर दूहन के अनुसार, घीया की फसल के लिए उचित जल निकास युक्त प्रचुर जीवांश से युक्त चिकनी बलुई मिट्टी सबसे उत्तम मानी गई है। इसके लिए भूमि का पी.एच. मान उदासीन होना चाहिए। उदासीन का मतलब न अम्लीय और न ही क्षारीय अर्थात 6.0 से 7.0 के बीच में होना चाहिए। बिजाई से 3-4 सप्ताह पहले गोबर की सड़ी-गली खाद खेत में अच्छी तरह मिला दें, फिर 3-4 बार जुताई करें। हर जुताई के बाद सुहागा लगाएं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.03.2021	04	01-05

मुनाफे के गुर • एचएयू के वैज्ञानिक प्रदेश के किसानों को निरीक्षण और प्रबंधन दे रहे सलाह

मधुमक्खी पालन की उचित देखभाल से कमा सकते हैं मुनाफा

▪ मौनवंशों का 15 से 20 दिन के अंतर पर अन्तर पर निरीक्षण करना चाहिए

भास्कर न्यूज | हिसार

मधुमक्खी पालन प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप में लाभदायक व्यवसाय है। इस व्यवसाय की कृषि विविधिकरण के अंतर्गत व किसानों की आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका है। मौनवंशों की जरूरतों एवं आवश्यकतानुसार प्रबंध के लिए मधुमक्खी परिवार का निरीक्षण बेहद जरूरी है। मधुमक्खी निरीक्षण मधुमक्खी पालन प्रबंधन का ही प्रमुख हिस्सा है। मधुमक्खी वंशों की प्रगति जानने के लिए आमतौर पर इनका 15-20 दिन के अन्तर पर निरीक्षण करना चाहिए, लेकिन वकछूट के मौसम (फरवरी से अप्रैल) में 4-5 दिन के अन्तराल पर देखभाल करना आवश्यक है। निरीक्षण विभिन्न ऋतुओं के अनुसार उचित समय पर ही करना चाहिए, क्योंकि मधुमक्खियां अपने कार्य में कम से कम व्यवधान पसंद करती हैं। एचएयू के कीट विज्ञान विभाग के वैज्ञानिक किसानों को मधुमक्खी पालन के संबंध में सलाह दे रहे है। एचएयू के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि प्रदेश में लगातार मधुमक्खी पालन करने वाले किसानों की संख्या भी बढ़ रही है। आमदनी बढ़ाने के लिए मधुमक्खियों की उचित देखभाल भी जरूरी है।

बारिश के समय वंशों का निरीक्षण न करें मधुमक्खी पालक

डॉ. योगेश कुमार बताते हैं कि बगैर जरूरत के बक्सों को बार-बार खोलना अच्छा नहीं रहता। इससे मधुमक्खियों की कार्यप्रणाली प्रभावित होती है। परिणामस्वरूप शहद उत्पादन व परिवार बढ़ोत्तरी पर बुरा प्रभाव पड़ता है। मधुमक्खी वंशों के निरीक्षण का समय अलग-अलग ऋतुओं/मौसमों में अलग-अलग होता है। जैसे सर्दियों के मौसम में जब अधिक ठण्ड पड़ती है तो निरीक्षण तब करें जब खुली धूप निकली हो और ठंडी हवाएं न चल रही हों यानि की सुबह 11 बजे से सांय 3 बजे के बीच जब वातावरण में गर्मी हो। गर्मियों के मौसम मई-जुलाई में जब दिन में तापमान अधिक होता है उस समय मौन वंशों का निरीक्षण सुबह 6 से 9 बजे के बीच और सांयकाल 5 से 6 बजे के बीच करें। बारिश के समय वंशों का निरीक्षण न करें। सामान्यतः अधिक गर्मी, अधिक ठण्ड, धुंध, कोहरा, आंधी, बादलवाई एवं धुएं की अवस्था में निरीक्षण नहीं करना चाहिए।

▪ इसलिए जरूरी है निरीक्षण

अगर बॉक्स में गंदगी है तो तलपट्टे की सफाई करनी चाहिए। यह भी ध्यान रखना भी जरूरी है कि रानी मधुमक्खी पर्याप्त अंडे दे रही है या नहीं। यदि किसी कारणवश रानी मक्खी मर गई या बॉक्स छोड़ गई है तो नई रानी परिवार को उपलब्ध करवाना आवश्यक है।

▪ मधुमक्खी पालक ये बरतें सावधानी

निरीक्षक के पास जाली या नकाब, दस्ताने एवं धुंआकार होना जरूरी है। तलपट्टे पर शिशु कक्ष, दो चौखटों के बीच में और मधुकक्ष को शिशु कक्ष के ऊपर रखते समय ध्यान रहे कि मधुमक्खियां दबकर न मरें। यदि कमेरी मधुमक्खियां डंक मार दें तो शांत रहें।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	25.03.2021	04	07-08

स्वीट व बेबी कॉर्न से 1 लाख रुपए तक कमा रहे मुनाफा

सोनीपत में यमुना बेल्ट के किसानों का बढ़ रहा रुझान

बृजेश तिवारी | सोनीपत

अमेरिका की मशहूर फसल स्वीट कॉर्न और बेबी कॉर्न की फसल सोनीपत के किसानों को खूब भा रही है। यमुना किनारे बसे गांव के ग्रामीण अपने खेतों में स्वीट कॉर्न और बेबी कॉर्न की फसल तेजी से उगा रहे हैं। जिले में करीब 1000 हेक्टेयर में स्वीट कॉर्न व करीब 1500 हेक्टेयर में बेबी कॉर्न की खेती की जा रही है। यह फसल 90 दिनों में तैयार हो जाती है। जिसकी लागत करीब प्रति एकड़ 20 हजार से 22000 तक आती है। जबकि, इस फसल से प्रति एकड़ किसान को एक लाख रुपए की आमदनी होती है। जीटी रोड बेल्ट पर ढाबे और होटल होने की वजह से इनकी डिमांड भी अधिक है। जिसकी वजह से आसपास के किसान इसकी खेती पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। सबसे खास बात यह है कि डिमांड की वजह से इनकी कोई फसल रुकती नहीं है। यही वहीं है कि युमना बेल्ट के क्षेत्र में इन फसलों उगाने में कोर्ट का रुझान ज्यादा देखने को मिल रहा है।

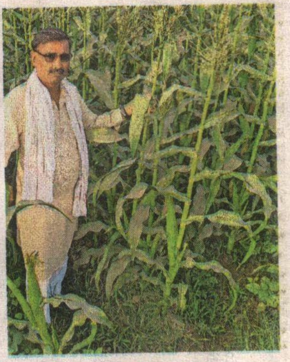

आधुनिक खेती की तरफ बढ़ रहे हैं किसान

यमुना बेल्ट के किसान बड़े पैमाने पर आधुनिक खेती को अपना रहे हैं। इस समय स्वीट कॉर्न और बेबी कॉर्न की खेती बड़े पैमाने हो रही है। इससे 5 से 10 गुना तक अधिक आमदनी हो रही है और इसकी बाजार में डिमांड भी अधिक है। कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किसानों को लगातार फायदे की खेती के बारे में जागरूक किया जा रहा है।

-डॉ जेके नांदल, कृषि वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र जगदीशपुर